राज्यों द्वारा बाल श्रम परियोजनाओं का क्रियान्वयन

3202. श्री आस मोहम्मद :

श्री ईश दत्त यादव :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय बाल श्रम नीति के अन्तर्गत कौन-कौन से राज्यों में राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान राज्य सरकारों को इन परियोजनाओं/योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्य-वार कितनी धनराशि जारी की गई है?

श्रम मंत्री (श्री पी. ए. संगमा) : (क) और (ख). उन राज्यों के नाम जिनमें राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही हैं और पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्गत की गई निधि निम्नानुसार है :—

उन राज्यों के नाम जहां राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना कार्यान्वित की जा रही है	निर्गत की गयी निधि* (रु० में)		
	1992-93	1993-94	1994-95 (अनन्तिम)
1. उत्तर प्रदेश	56.73 479	79,19,619	23 31 965
2. तमिलनाडु	44,10,447	60,49,076	74,71.642
3. राजस्थान	22,92 902	30,14,784	29,10,699
4. मध्य प्रदेश	7,89,002	22,72,711	2,60 000
5. आन्ध्र प्रदेश	29,58.310	30,67,344	11,52,943
6. बिहार	—	6,46,000	3,70,000
7. गुजरात	—	70,000	—
8. उड़ीसा	—	19,50,000	1,65,000
9. महाराष्ट्र	—	17,50,000	—

*निधियां कार्यान्वयन करने वाली एजेंसियों को दी जाती हैं और न कि राज्य सरकारों को।

Backlog in unemployment

3203. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI G. G. SWELL:
SHRI P. UPENDRA:
SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) what is the backlog in unemployment at present;

(b) what is the estimated addition in quantum and percentage labour force every year;

(c) what is the estimated recruitment in quantum and percentagt employment in coming five years;

(d) whether it is a fact that due to liberalisation unemployment has increased;

(e) if so, how and to what extent unemployment has increased; and

f) if not, how employment has increased?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (f) According to the Eighth Five Year Plan Document the Labour force is projected to increase by about 35 million during 1992—97 or at the average annual rate of 2.1 per cent. The total number of persons requiring employment over the ten year period 1992—2002 is estimated to be 94 million. This does not mean that unemployment would be 94 million by that year.

Estimates of Employment and Unemployment (tentative)—during 1992—95 are as under:

(million)

	March 93	March 94	March 95
1. Employment	308.44	314 15	321.35
2. Unemployment	16.97	18.05	17.85
3. (1+2) Labour force	325.41	332.20	339.20

The Plan Document also envisaged an average employment growth of around during 1992—97. There has been no 2.6 per cent to 2.8 per cent per annum evidence of the adverse affect of the Liberalisation policy on employment.

बन्धुआ बाल श्रमिक

3204. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन राज्यों में बाल मजदूरों की संख्या सर्वाधिक है और उनमें से अधिकांश किन उद्योगों में कार्यरत हैं ;

(ख) क्या पिछले तीन माह के दौरान सरकार के प्रयास से बन्धुआ बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया है और यदि हां, तो इनका राज्य और उद्योगवार ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा इसके कल्याणार्थ/जीविकोपार्जन के लिए क्या कार्रवाई की गई है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार विभिन्न उद्योगों में कार्यरत बंधुआ बाल मजदूरों की मुक्ति के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी ?

श्रम मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) संबंधित राज्य सरकारों द्वारा यथासूचित विभिन्न राज्यों में अभिज्ञात और पुनर्वासित बंधित बाल श्रमिकों की संख्या निम्नानुसार है ।

राज्य का नाम	अभिज्ञात तथा पुनर्वासित बंधित बाल श्रमिकों की संख्या
1. आन्ध्र प्रदेश	118
2. बिहार	388
3. उत्तर प्रदेश	341
4. कर्नाटक	75
5. मध्य प्रदेश	545
6. महाराष्ट्र	5
7. हरियाणा	45
8. दिल्ली	7